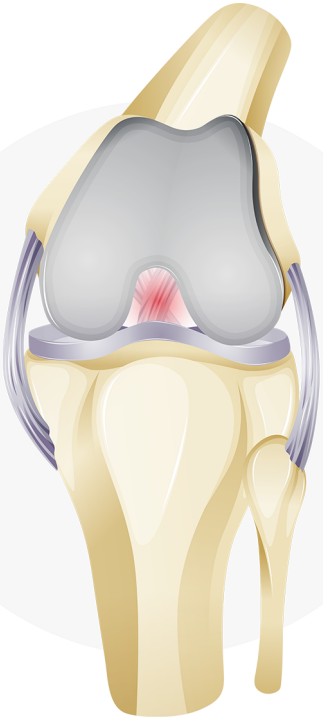

medanta

ए.सी.एल एवल्शन

INSTITUTE OF MUSCULOSKELETAL
DISORDERS AND ORTHOPAEDICS

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर क्या है?

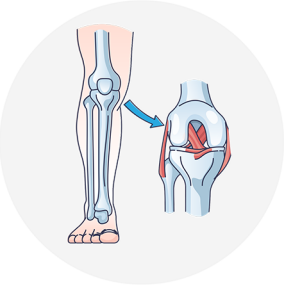

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर एक सर्जिकल उपकरण है जो घुटने में एंटीरियर क्रूसिएटलिगामेंट (ए.सी.एल) के टूटे हुए सिरे को ठीक करने में मदद करता है। जब लिगामेंट अपने हड्डी के जोड़ के स्थान से अलग हो जाता है तो सर्जन फिक्सेटर का उपयोग करके चोटिल लिगामेंट को हड्डी से फिर से जोड़ देते हैं। यह प्रक्रिया आर्थ्रोस्कोपिक विधि की सहायता से की जा सकती है, जिसमें सर्जन छोटे चीरों के माध्यम से चोटिल हिस्से तक पहुँच सकते हैं। कई बार टूटी हुई हड्डी तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने के लिए एक बड़ा चीरा लगाया जाता है, जिसे ओपन तकनीक कहा जाता है।

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर की आवश्यकता कब पड़ सकती है?

निम्नलिखित परिस्थितियों में सर्जन ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर की सलाह दे सकते हैं:

- ए.सी.एल अवल्शन फ्रैक्चर जिसमें एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट हड्डी से अलग हो जाता है
- घुटने के जोड़ में अस्थिरता
- घुटने को पूरी तरह से मोड़ने या सीधा करने में मुश्किल
- लगातार दर्द जो आमतौर पर चोट के स्थान पर सबसे तेज होता है और गतिविधि से बढ़ जाता है
- वजन न उठा पाना
- हड्डी के टुकड़े का ठीक से नहीं जुड़ पाना
- हड्डी के टुकड़े का उसके मूल स्थान से हट जाना

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर के पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर प्रक्रिया के पहले मरीज़ को निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए:

- यदि मरीज़ को कोई स्वास्थ्य समस्याएँ, जैसे मधुमेह या उच्च रक्तचाप है, तो इसे डॉक्टर को अवश्य बताएं।
- सर्जरी से पहले मरीज़ को रक्त परीक्षण और अन्य परीक्षण करवाने पड़ सकते हैं।
- डॉक्टर सर्जरी से पहले कुछ खाद्य पदार्थों और दवाओं को रोकने की सलाह दे सकते हैं।
- मरीज़ डॉक्टर को चल रही दवाओं और एलर्जी के बारे में बताएं।

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर के दौरान क्या होता है?

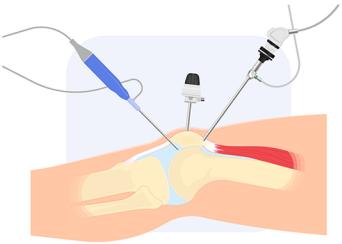

आमतौर पर ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर सर्जरी आर्थ्रोस्कोपिक तकनीक से की जाती है, जिसमें डॉक्टर छोटे चीरों के माध्यम से सर्जरी करते हैं।

- सबसे पहले मरीज़ को जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है, जिससे वे प्रक्रिया के दौरान बेहोश रहते हैं।
- सर्जन घुटने में दो - तीन छोटे चीरे लगाते हैं।
- आर्थ्रोस्कोप (एक पतली ट्यूब जैसी डिवाइस है जिसमें एक कैमरा लगा होता है),

को एक चीरे के माध्यम से टूटी हुई हड्डी के पास ले जाते हैं।
- कैमरे से घुटने के अंदर की तस्वीरों को एक मॉनिटर पर दिखाया जाता है।
- सर्जन अन्य उपकरणों को अन्य चीरों के माध्यम से अंदर डालते हैं।
- सर्जन हड्डी में छोटे छेद बनाते हैं।
- फिक्सेटर के माध्यम से टूटी हुई हड्डी को छेदों के द्वारा ए.सी.एल के सिरे से जोड़ा जाता है।
- अंत में सर्जन उपकरणों को हटाकर, चीरों को टांके या स्टेपल से बंद कर देते हैं।

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर के बाद क्या होता है?

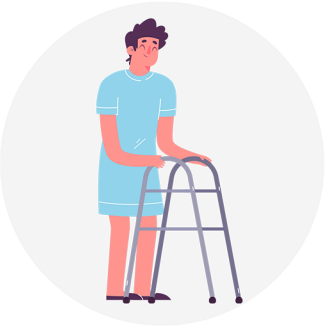

- ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर सर्जरी के बाद मरीज़ को रिकवरी रूम में रखा जाता हैं, जहां उनके रक्तचाप, नब्ज, तापमान, और अन्य शारीरिक मानको पर नज़र रखी जाती हैं।
- सर्जरी के बाद दर्द और सूजन नियंत्रित करने के लिए मरीज़ को दर्द निवारक गोलियां दी जाती हैं।
- मरीज़ को ऐसी गतिविधियां से बचना होगा, जो घुटने पर दबाव डाले।
- मरीज़ को घुटने की ताकत बढ़ाने के लिए फिजियोथेरेपी की ज़रूरत पड़ती है।
- सर्जरी के बाद पहले कुछ हफ्तों में टहलने के लिए बैसाखी या वॉकर का उपयोग करें।
- जब मरीज़ बैठे हों या सो रहे हों तो घुटने को ऊंचा रखने की सलाह दी जाती है।

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर में क्या जोखिम हो सकते हैं?

ए.सी.एल एवल्शन-फिक्सेटर के कुछ जोखिम निम्नलिखित हैं:
- संक्रमण
- रक्तस्राव
- फिक्सेटर का ढीला होना
- हड्डी का टूटना
- घुटने की अन्य कोशिकाओं को नुकसान
- घुटने में दर्द और अकड़न
- घुटना हिलाने में तकलीफ
- जोड़ों में अस्थिरता महसूस होना

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

यदि मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें:
- तेज दर्द या सूजन
- बुखार
- चीरे से रिसाव
- घुटना हिलाने में मुश्किल
- घुटने के जोड़ में ढीलापन

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ